RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

नागौर डेली न्यूज

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

वर्ष: 1 | अंक 323 | नागौर, 03 नवम्बर, 2022 (गुरूवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | E-Edition

बल्लेबाजी के शिखर पर सूर्यकुमार

टी-20 रैंकिंग में पाक के रिजवान को पछाड़ा

भारत के सूर्य कुमार यादव दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बन गए हैं। वे आईसीसी की टी-20 रैंकिंग में टॉप पर आ गए हैं। सूर्या ने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को जारी रैंकिंग में सूर्यकुमार को पिछले मैच के अर्धशतक का फायदा मिला और उनके 863 अंक हो गए। यह अर्धशतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ आया था। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान 842 अंक लेकर दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के बीच 21 रेटिंग पॉइंट का डिफरेंस हैं। यानी सूर्या रिजवान से 21 पॉइंट्स ऊपर हैं। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे 792 पॉइंट के साथ तीसरे, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 780 पॉइंट के साथ चौथे और साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम 767 रेटिंग पॉइंट के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

नंबर-10 पर विराट कोहली-विराट कोहली भी 638 पॉइंट के साथ आईसीसी रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं। विराट इस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान शानदार फॉर्म में हैं। अब तक खेले गए 4 मैचों में वह 3 फिफ्टी समेत 220 रन बना चुके हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 44 बॉल पर 64 रन बनाए। इस पारी के साथ वे इस टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

लोकतंत्र के अंदर वोट उसी को देना चाहिए, जो जनता के काम का हिसाब दे : शाह

नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने हिमाचल को धुआं मुक्त बनाने का काम किया। बिलासपुर में एम्स का निर्माण किया गया। चम्बा, नाहन और हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया गया। 48 अस्पतालों में मोदी जी ने ऑक्सीजन प्लांट बनाने सहित विकास के कई काम किये। हिमाचल प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन दिया। सोलन में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का काम किया। ऊना में बल्क ड्रग फार्मा पार्क बनाने का काम किया। चंबा, नाहन, हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया।

भाजपा ने ढेर सारे काम यहां पर किए हैं। जल शक्ति योजना के तहत 2 लाख घरों में पानी पहुंचाया। धर्मशाला को विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर देने का काम किया। धर्मशाला स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 567 करोड़ रुपया नरेंद्र मोदी जी ने भेजा है। सौभाग्य योजना के तहत हिमाचल के अंदर हर घर बिजली पहुंची है।

सीकर में 2 सगी बहनों से रेप

जबरदस्ती शादी कर 1 महीने तक रेप,अंधी मां को भी साथ रखा

सीकर।

सीकर के अजीतगढ़ इलाके में दो नाबालिग बहनों से जबरन शादी कर रेप करने का मामला सामने आया है। यहां जयपुर से ननिहाल आई दो नाबालिग को उनके ननिहाल के एक परिचित युवक ने झांसे में लिया। और फिर अपने एक साथी के साथ दोनों नाबालिग बहनों से शादी कर ली। दोनों लोग नाबालिग बहनों से करीब 1 महीने तक रेप करते रहे। जिसके बाद दोनों नाबालिग बहनें वापस अपने घर आई। और पुलिस में शिकायत दी है। फिलहाल अजीतगढ़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जयपुर के नींदड बेनाड इलाके की 17 साल की नाबालिग ने रिपोर्ट देकर बताया है कि वह और उसकी छोटी बहन जिसकी उम्र 16 साल है। दोनों 19 जुलाई को थोई इलाके में अपने मामा के घर पर आई थी। इसी दौरान वहां मामी से मिलने के लिए राधेश्याम नाम का एक युवक आया। जिसने दोनों बहनों से परिवार के बारे में पूछा। बातों ही बातों में एक नाबालिक ने बता दिया कि उनके दोनों बड़े भाई दिमाग से कमजोर है। राधेश्याम ने नाबालिग लड़कियों के दोनों भाइयों का अपने गुरु दिनेश दास और बल्लू दास से इलाज करवाने की बात कही।

इसके बाद दोनों भाइयों को इलाज के लिए अजीतगढ़ के एक मंदिर में बुला लिया। यह मंदिर में राधेश्याम, प्रवीण, दिनेशदास और बल्लू दास मौजूद थे। जिन्होंने दोनों नाबालिग बहनों और एक भाई को वहां से भेज दिया और कहा कि बड़े भाई को वह मंदिर में ही रखेंगे। और जहां उसका इलाज करेंगे। ऐसे में तीनों बड़े भाई को छोड़कर वहां से चले गए। कुछ दिन बाद राधेश्याम दोनों नाबालिग के घर पर गया। जहां से दोनों नाबालिग और उनके माता-पिता को साथ ले आया। अगले दिन फिर पिता को वापस भेज दिया। लेकिन दोनों नाबालिग और उनकी अंधी मां को अपने पास ही रख लिया। फिर राधेश्याम ने दोनों बहनों को धमकी दी कि वह उनसे शादी कर ले। वरना भाई और मां को जान से मार देंगे।

मरम्मत ही मोरबी पुल टूटने की वजह : एल्युमिनियम फ्लोर से वजन बढ़ा, पुराने तार टूट गए

मोरबी।

मोरबी का सस्पेंशन ब्रिज हादसा उसकी नई फ्लोरिंग की वजह से हुआ था। रिनोवेशन के नाम पर ब्रिज में लगे लकड़ी के बेस को बदलकर एल्युमिनियम की चार लेयर वाली चादरें लगा दी गई थीं। इससे पुल का वजन बेहद बढ़ गया था। पुरानी केबल्स भीड़ बढ़ने पर इस लोड को संभाल नहीं सकीं और ब्रिज टूट गया। गुजरात पुलिस ने कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर यह जानकारी दी है।

मोरबी में 30 अक्टूबर की शाम को सस्पेंशन ब्रिज टूटने के मामले में पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया था। इन्हें मंगलवार को मोरबी के मजिस्ट्रियल कोर्ट में पेश किया गया। सभी आरोपियों की रिमांड मांगने के लिए पुलिस ने अदालत में जो हलफनामा पेश किया, उसमें ब्रिज के वजन को ही उसके गिरने की वजह बताया गया है। इस घटना में अब तक 135 मौतों की पुष्टि हो चुकी है।

रिमांड अर्जी में लिखा- कंपनी ने केवल फ्लोर बदला

गुजरात पुलिस ने मंगलवार को मजिस्ट्रियल कोर्ट में पुल हादसे की फोरेंसिक रिपोर्ट दाखिल की। यह रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई है। सरकारी वकील पंचाल ने सुनवाई के बाद बताया कि पुलिस की तरफ से पेश रिमांड अर्जी में साफ लिखा है कि मरम्मत के दौरान ब्रिज के स्ट्रक्चर की मजबूती पर काम नहीं किया गया। केवल पुल की फ्लोरिंग से लकड़ी को हटाकर एल्युमिनियम की चादरें लगा दी गई थीं।

गहलोत की तारीफ पर भड़के पायलट, कहा

पीएम ने आजाद के बारे में भी ऐसा ही कहा था; बगावत करने वालों पर तुरंत एक्शन हो

जयपुर।

राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर फिर हमला बोला है। पीएम मोदी ने कल गहलोत की जिस तरह तारीफ की उस पर तंज कसते हुए पायलट ने यहां तक कह दिया कि मोदी ने गुलाम नबी आजाद की भी इसी तरह तारीफ की थी, बाद में क्या हुआ सब जानते हैं। पायलट ने कहा- प्रधानमंत्री ने कल जो तारीफ की, मैं समझता हूं, वह कल का बड़ा दिलचस्प डेवलपमेंट है। इसी तरह प्रधानमंत्री ने सदन के अंदर गुलाम नबी आजाद की तारीफ की थी, उसके बाद क्या घटनाक्रम हुआ, वह हम सबने देखा है। इसे इतना लाइटली नहीं लेना चाहिए।

अनुशासन तोड़ने वाले तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई हो

पायलट ने कहा- 3 लोगों को नोटिस दिए गए, नोटिस के बाद यह जानकारी में आया है कि जवाब दिए गए हैं। हमारी पार्टी अनुशासित है, इस पार्टी में हम सबके लिए नियम-कायदे बराबर हैं। नोटिस पर भी शीघ्र निर्णय लिए जाने चाहिए, कानून, अनुशासन सब पर लागू है। खड़गे जी ने पदभार संभाला है, ऐसा तो हो नहीं सकता कि अनुशासनहीनता मानी गई हो और उस पर निर्णय नहीं लिया जाए।

केसी वेणुगोपाल ने जल्द फैसला करने की बात कही थी

सचिन पायलट ने सीएम बदलने की चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा- राजस्थान के संदर्भ में निर्णय लेने की जो बात है तो केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम सब चुनाव में लगे हुए हैं, जल्दी ही गुजरात के चुनाव की घोषणा भी हो जाएगी। अनुशासन के मामले भी वेणुगोपाल के संज्ञान में है। राजस्थान में यह जो अनुशासनहीनता का मामला बना हुआ है, इस पर जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।

किसे किस पद पर बैठाना है, यह हाईकमान तय करेगा

पायलट ने कहा- किस को किस पद पर बैठाना है, क्या जिम्मेदारी देनी है, इसका निर्णय भी एआईसीसी लेगी। चुनाव में केवल 13 महीने का समय बचा है। जो भी निर्णय लेने हैं, कदम उठाने हैं ,वह कार्रवाई विधायक दल की बैठक के तौर पर भी नहीं हो सकी थी। अभी चुनाव भी चल रहे हैं, इंपॉर्टेंट चुनाव हैं। दोनों राज्यों में हम जीत हासिल कर रहे हैं।

जयपुर में स्कूटी सवार टीचर पर पत्थर से हमला : सड़क पर गिरी तो बेहोश होने तक ताबड़तोड़ वार करता रहा

जयपुर।

जयपुर में एक बार फिर सड़क पर जा रही टीचर पर हमले का मामला सामने आया है। महिला के सिर और बेटी के शरीर पर गंभीर चोट आई है। गम्भीर रूप स घायल गायत्री आर्य (46) का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला पर विद्याधर थाना इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति ने जानलेवा हमला किया। लगातार पत्थर से सिर पर वार करता रहा। इससे सिर और शरीर पर गंभीर चोट आई हैं। विद्याधर नगर निवासी संतोष कुमार गोयल ने रिपोर्ट दी हैं कि 27 अक्टूबर को उनकी पत्नी गायत्री आर्य सुबह साढे 10 बजे बेटी वंदना (26) के साथ पापड़ के हनुमान मंदिर के दर्शन कर स्कूटी से घर लौट रही थी। अग्रसेन हॉस्पिटल के सामने अचानक एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। उसकी उम्र करीब 45 साल होगी। दाड़ी बढ़ी हुई थी। गायत्री देवी स्कूटी पर पीछे बैठी हुई थी। सिर पर पत्थर से अचानक हमला किया। इससे गायत्री स्कूटी से गिर गई। गायत्री के बेहोश होने तक उसके सिर पर पत्थर मारता रहा।

मां को बचाने आई वंदना को भी उसने पत्थर मारे। आसपास के राहगीर ने गायत्री को अग्रसेन हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां से एसएमएस के लिए रैफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया- वह व्यक्ति अग्रसेन हॉस्पिटल के आसपास ही रहता हैं। उसे पूर्व में भी घूमते हुए देखा गया है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गुजरात चुनाव के कारण खेला जा रहा है सीएए का खेल, मोरबी की घटना को लेकर भी ममता ने उठाए सवाल

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा मोरबी की घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई कार्रवाई क्यों कर रहे हैं? वे केवल आम लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। जवाबदेही तय होनी चाहिए...मैं पीएम के बारे में कुछ नहीं बोलूंगी क्योंकि यह उनका राज्य है...मैं राजनीति के बारे में कुछ नहीं बोलूंगी। ममता बनर्जी ने कहा मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी क्योंकि लोगों की जिंदगी राजनीति से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैं संवेदना व्यक्त करता हूँ। कई की मौत हो चुकी है और कई अब भी लापता हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मोरबी की घटना की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के तहत एक न्यायिक आयोग बनाया जाना चाहिए।

पुष्कर मेला : देशी अंदाज में दिखे विदेशी मेहमान

रात को कल्चरल प्रोग्राम में झूमे, घोड़े-ऊंट नहीं होने से दिखे मायूस

अजमेर।

अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर फेमस पुष्कर फेयर का रंग जम गया है। पुष्कर में चहुंओर रौनक नजर आ रही है। आकर्षक सजावट भी की गई है। यहां पहुंचे देशी-विदेशी ट्यूरिष्ट राजस्थानी रंग में नजर आ रहे हैं। महिला ट्यूरिष्ट शृंगार कर ऊंटों पर बैठी, वहीं अन्य लोगों ने भी राजस्थानी ड्रेस पहनकर फोटो खिंचवाए। इस बार पशु मेला नहीं भरने से देशी-विदेशी ट्यूरिष्ट को ऊंट-घोड़ों की कमी खली और मायूस नजर आए। वहीं रात को मेला ग्राउण्ड स्टेज पर कल्चरल परफॉर्मेंस में गीतों व नृत्यों पर जमकर झूमे।

पुष्कर के बाजारों में देशी-विदेशी ट्यूरिष्ट के साथ आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए महिला-पुरुषों व बच्चों की भीड़ दिखी। यहां लगी दुकानों पर जमकर खरीददारी की। पुष्कर के विश्वप्रसिद्ध ब्रह्मामंदिर सहित अन्य मंदिरों में दर्शनों के लिए कतार लगी रही। पुष्कर सरोवर में डुबकी लगाकर श्रद्धालुओं ने पुण्य कमाया। रेतीले धोरों पर पर्यटकों ने केमल सफारी का आनन्द लिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ध्वजारोहण कर इसकी शुरूआत की। साथ ही सवा लाख दीपकों से पुष्कर सरोवर के घाटों पर दीपदान किया।

पुष्कर की रेत में विदेशी लड़कियों ने खेला सितोलिया

दुनियाभर में फेमस पुष्कर मेले में बुधवार को खेलों का आगाज सितोलिया और फुटबॉल मैच हुआ। रेत में गिरते-पड़ते देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच मैच हुआ। पहला गोल करने वाली इंडियन टीम आखिर में एक गोल से मैच हार गई। विदेशी मेहमानों ने मैच जीतकर खुशी जताई। इस दौरान सातोलिया, मांडना सहित अन्य प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ियों ने खासा उत्साह दिखाया। विदेशियों में स्विटजरलैंड, फ्रांस, नागलेंड, थाईलेंड, जर्मनी, स्पेन, यूके के खिलाड़ी शामिल थे। इससे पहले उपखंड अधिकारी सुखराम पिंडेल ने फुटबॉल मैच का उद्घाटन किया। दिन में 1 बजे महिलाओं के सितोलिया प्रतियोगिता भी हुई। इसमें विदेशी व देशी महिलाओं ने खासा उत्साह दिखाया। एक अंक से सितोलिया में इंडियन टीम जीती। बाद में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

सम्पादकीय

राज बनाम द्रोह

राजद्रोह कानून के अंतर्गत मुकदमे दर्ज करने पर रोक की अवधि सर्वोच्च न्यायालय ने बढ़ा दी है। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र में इसकी समीक्षा कर कुछ उपाय निकालने का भरोसा दिलाया है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल मई में इस कानून के तहत मुकदमे दर्ज करने पर रोक लगा दी और और सरकार से पूछा था कि ब्रिटिश कालीन इस कानून का क्या औचित्य है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि रोजद्रोह संबंधी गंभीर मामलों के खिलाफ मुकदमे दर्ज होने से नहीं रोका जा सकता और ऐसे अपराधों की जांच के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी होना चाहिए। हालांकि जिस तरह अदालत में सरकार की तरफ से इस मामले में पक्ष रखा गया है, उससे लगता है कि इस कानून पर कोई लचीला रुख अपनाया जा सकता है। राजद्रोह कानून यानी भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए, ब्रिटिश हुकूमत के दौरान विद्रोहियों पर अंकुश लगाने की नीयत से बनाई गई थी। उस वक्त इस कानून के तहत कई भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को कारावास की सजा सुनाई गई थी। आजादी के बाद अनेक मौकों पर इस कानून के औचित्य को प्रश्नांकित करते हुए मांग उठी कि इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए। मगर किसी भी सरकार ने इसे हटाने पर विचार नहीं किया। पिछले सात-आठ सालों में इस कानून के तहत अनेक बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल भेजा जा चुका है। इसलिए फिर से इस कानून के विरोध में आवाजें उठनी शुरू गई हैं। इसी संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिस पर अदालत ने कहा कि जब तक सरकार इस कानून की समीक्षा नहीं कर लेती, तब तक इसके तहत किसी पर मुकदमा नहीं दर्ज किया जा सकता।

सरकार को इस संबंध में जवाब देना था, मगर उसने और मोहलत मांगी और फिर कानून पर रोक भी बढ़ गई। दरअसल, राजद्रोह शब्द को लेकर बहसें होती रही हैं कि क्या सरकार की आलोचना करना राजद्रोह के अंतर्गत आता है। राष्ट्रद्रोह का अर्थ तो समझ में आता है कि अगर कोई व्यक्ति राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल है, तो उसे दंडित किया जाना चाहिए। मगर एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजद्रोह जैसे कानून की क्या जरूरत? लोकतंत्र में हर नागरिक को अभिव्यक्ति की आजादी हासिल है और वह सरकार के किसी भी फैसले पर अपनी राय देने को स्वतंत्र है। मगर पिछले सात-आठ सालों में जिन लोगों पर इस कानून के तहत मुकदमे दर्ज हुए उनका दोष आमतौर पर सरकार की आलोचना करना ही था।

हालांकि इस कानून को इतने आसान ढंग से रद्द करना भी संभव नहीं। सरकार के खिलाफ साजिश रचने के मामले भी इस कानून के तहत आ सकते हैं। ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्तमान सरकार और इससे पहले की सरकारें भी इसी पहलू के मद्देनजर इस कानून को रद्द करने से बचती रही हैं।

मगर यह कानून अगर किसी सरकार को यह छूट लेने दे पा रहा है कि वह अपने आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सके, तो इसकी समीक्षा की जरूरत स्वाभाविक है। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से इसीलिए समीक्षा की बात कही है, ताकि इस कानून में स्पष्ट हो सके कि सरकार की आलोचना करना और सरकार के खिलाफ साजिश रचना दोनों भिन्न बातें हैं। वर्तमान सरकार औपनिवेशिक जमाने के बहुत सारे कानूनों को रद्द कर चुकी है, इसलिए उससे उम्मीद की जाती है कि इस कानून को भी व्यावहारिक रूप देने का प्रयास करेगी।

खदानों में खटते मजबूरी के मजदूर

दुनिया के तमाम देशों के कोयला खदानों में मजदूरों की हालत लगभग एक जैसी है। इनकी हालत हर वक्त खस्ता बनी रहती है। इनकी जिंदगी हर समय खतरों से खेलती है। तरह-तरह के दुखों ने इन्हें घेर रखा है। इनकी समस्याओं और परेशानियों को दूर करने के नाम पर चल रहे एनजीओ इनके हालात सुधारने में नाकाम रहते हैं। पेट, आंख और सांस की बीमारियां इनकी जिंदगी का हिस्सा होती हैं। ये तनाव और दिल संबंधी बीमारियों के अभ्यस्त हो जाते हैं। कोयले की जहरीली धूल के असर से सांस की एक न एक खतरनाक बीमारी इन्हें दबोचे रहती है। इस बीमारी को 'कोल वर्कर्स न्यूमोकोनियोसस' या 'ब्लैक लंग' या काला फेफड़ा नाम से भी जाना जाता है। यह बीमारी लाइलाज है। इन मजदूरों को उनके काम के मुताबिक वेतन नहीं मिल पाता। तीन पालियों में काम करने वाले ये मजदूर महज दो से चार हजार वेतन पर काम करते हैं। यानी इन्हें केंद्र सरकार द्वारा तय न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिलती।

आजादी के बाद जैसे-जैसे कोयला खदानों की संख्या बढ़ती गई वैसे-वैसे मजदूरों की समस्याएं भी बढ़ती गईं। केंद्र सरकार का उपक्रम होने के कारण इनमें सुधार, सुविधा और जरूरी संसाधन मुहैया कराने की बात तो कही जाती रही है, लेकिन हकीकत में मजदूरों को उनका हिस्सा नहीं मिल पाया। आज भी मजदूरों की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। सैकड़ों की तादाद में ऐसे मजदूरों को, जो पिछले पच्चीस सालों से मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें स्थायी नहीं किया जा सका है। एक सर्वेक्षण से पता चला है कि तीन फीसद मजदूरों को बीस साल पहले महीने भर में महज दो से छह सौ रुपए मिलते थे। आज भी हालात कमोबेश वही हैं। खदानों के राष्ट्रीयकरण के बीस साल बाद भी कुल कोयले में आधे से ज्यादा का उत्पादन ठेका मजदूर कर रहे हैं, जिन्हें न स्थायी मजदूरों की तरह वेतन मिल रहा है, न सामाजिक सुरक्षा। वर्ष 2003-04 से कोयला उद्योग यानी कोल इंडिया में आउटसोर्स के नाम पर ठेका मजदूरों से कोयला उत्पादन का काम शुरू हुआ। इसके लिए श्रम कानून में ढील दी गई। तब कहा गया था कि ठेका मजदूरों के समान सुविधाएं और वेतन दिया जाएगा। मगर न सुविधाएं मिलीं और न समान वेतन ही मिला। छत्तीसगढ़ राज्य कोयला उत्पादन में सबसे ऊपर है। यहां 127.095 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होता है। वहीं झारखंड में 113.014 करोड़ टन और ओड़ीशा में 112.917 करोड़ टन कोयले का उत्पादन होता है। कोयला मजदूरों की हालत इन तीनों राज्यों में लगभग एक जैसी है। सरकार कोयला खदानों का व्यावसायिक खनन के नाम पर निजीकरण कर रही है। जानकारों के मुताबिक, सरकार ने मजदूर संगठनों को एक तरह से हाशिए पर डाल दिया है। गौरतलब है कि चौवालीस श्रम कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो गए हैं।

वर्ष 2012 में ठेका मजदूरों को चार वर्गों में बांटते हुए वेतन निर्धारित किया गया, पर ये जमीन पर लागू नहीं हुए। फिर गठित समिति ने 2018 में वेतन निर्धारित किए। इस समिति ने ठेका मजदूरों के सीएमपीएफ, मेडिकल सुविधा आदि की अनुशंसा की। कोल इंडिया ने आदेश जारी किए, लेकिन अनुशंसा, अनुशंसा ही रह गई। आज भी वही बारह घंटे काम और नौकरी की कोई सुरक्षा नहीं। हर साल ठेका मजदूरों को 8.33 फीसद सलाना बोनस की घोषणा होती है, लेकिन मिलता नहीं। कोयला खदान मजदूरों की हालत कोरोना की दूसरी लहर में ज्यादा खराब हुई। अस्पतालों की दशा इस कदर खराब थी कि मजदूरों को बुखार और दूसरी समस्याओं पर भी गौर नहीं किया गया। कई मजदूरों की मौत हो गई। उनके खानपान, शिक्षा, आवास और रोजमर्रा की जरूरी चीजों का ध्यान नहीं रखा जाता। रोजाना की जरूरतों पर गौर न करने की वजह से मजदूरों की हालत धीरे-धीरे जानवरों से बदतर हो जाती है। चर्म रोग, टीबी, सांस की बीमरियां, सिर दर्द, आंख की समस्याएं, हड्डी और पाचन संबंधी समस्याएं आम हैं। ठेकेदार मनमाने ढंग से मजदूरी करवाता और मजबूरी का फायदा उठाकर उनका हर तरह से शोषण करता है। मजदूरों के हित में काम करने वाली संस्थाएं ठेकेदारों की शोषण और क्रूरता पर कभी खुलकर आवाज नहीं उठातीं। कई बार खदानों में पानी भर जाने,

आग लगने या कार्बन की मात्रा बढ़ जाने पर मजदूरों की मौत हो जाती है, लेकिन सरकार और ठेकेदार नियमानुसार मुआवजा-राशि नहीं देते। ऐसे में मजदूर परिवारों की हालत और खराब हो जाती है। मजदूरों का शारीरिक के अलावा मानसिक, यौन और आर्थिक शोषण लगातार होता है।

छत्तीसगढ़, झारखंड और ओड़ीशा जैसे राज्यों की खदानों में वनवासी और आदिवासी यानी अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के लोग कोयला मजदूर ज्यादा हैं। शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित इन लोगों को कोई भी आराम से परेशान कर लेता है। अनपढ़ और गरीब होने की वजह से इन मजदूरों का पीढ़ी-दर-पीढ़ी शोषण, जुल्म, अन्याय और बीमारी के साथ जीना आम है। आजादी के बाद जैसे-जैसे कोयला खदानों की संख्या बढ़ती गई वैसे-वैसे मजदूरों की समस्याएं भी बढ़ती गईं। केंद्र सरकार का उपक्रम होने के कारण इनमें सुधार, सुविधा और जरूरी संसाधन मुहैया कराने की बात तो कही जाती रही है, लेकिन हकीकत में मजदूरों को उनका हिस्सा नहीं मिल पाया। आज भी मजदूरों की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। सैकड़ों की तादाद में ऐसे मजदूरों को, जो पिछले पच्चीस सालों से मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें स्थायी नहीं किया जा सका है। दिहाड़ी मात्र तीन सौ रुपए या इससे कम दी जा रही है। कई मजदूरों, खासकर महिलाओं को तो नाममात्र की दिहाड़ी या भोजन, कपड़े पर दिन भर मजदूरी कराई जाती है। शोषण का यह सिलसिला आम बात है। दरअसल, देश में कई कोयला खदानें अवैध ढंग से चलाई जा रही हैं। इनमें मजदूरों की हालत और भी दयनीय है।

मेघालय की एक घटना अवैध कोयला खदानों की हालत और खदान मालिकों की असंवेदनशीलता बयान करती है। 2018 में घटी यह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय बनी थी। गौरतलब है पंद्रह दिन से अधिक दिनों तक मजदूर खदान में फंसे रहे। एनडीआरएफ की टीम इन्हें बाहर निकालने की मशक्कत करती रही, लेकिन सफल नहीं हो पाई और राजनीति होती रही। कोयला खदानों और कोयले के इस्तेमाल से पर्यावरण प्रदूषण में सबसे अधिक योगदान है। इसलिए कई बार कोयला खदानों को बंद करने की बात उठाई जाती है, लेकिन बंद करना संभव नहीं हो पाता, क्योंकि इससे लाखों मजदूरों की जीविका जुड़ी हुई है।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। व्यापार में भी अपेक्षित सफलता मिलने की संभावना अधिक है। आय की वृद्धि होगी। आनंद-प्रमोद और मनोरंजक कार्यक्रम में आप दिनभर व्यस्त रह सकते हैं।

वृषभ

घर की साज-सजावट में आज नयापन लाएंगे। घर को सजाने में आज पैसा खर्च करेंगे। वाहन सुख भी मिलेगा। सामाजिक प्रसंग में कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा। रमणीय स्थल घूमने जाने का कार्यक्रम बनेगा।

मिथुन

आज आप व्यापार को विकसित करने की ओर अधिक ध्यान देंगे। नई योजनाओं से व्यवसाय में आपको लाभ होगा। हालांकि सफलता में विलंब हो सकता है। दोपहर के बाद व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बनेगा।

कर्क

नौकरीपेशा लोग किसी मीटिंग में शामिल हो सकती है। पदोन्नति हो सकती है। आपके काम करने के तरीके से अधिकारी भी प्रसन्न रहेंगे। पिता और बड़ों से लाभ होगा। नेगेटिव विचारों को मन से दूर रखें।

सिंह

खान-पान में ध्यान रखें। वाहन चलाते समय आज बहुत सावधानी रखें। आकस्मिक धन खर्च हो सकता है। किसी कारण से बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। हालांकि मन में किसी बात की चिंता बनी रहेगी।

कन्या

स्वादिष्ट और उत्तम भोजन की प्राप्ति होने से आज मन खुश रहेगा। नए वस्त्र खरीदने की योजना बना सकते हैं। आर्थिक मामलों में आपका दिन अच्छा रहेगा। दोपहर बाद किसी बात को लेकर डिसीजन नहीं ले पाएंगे।

तुला

अचानक धन खर्च होगा। पार्टनरशिप के काम में मतभेद बढ़ेगा। नौकरी- धंधे में परिस्थिति अनुकूल रहेगी। गुस्से को काबू में रखें। नए काम की शुरुआत आज ना करें। आज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

वृश्चिक

व्यापार में धन की योजना पूरी कर पाएंगे। उचित कारणों पर धन खर्च होगा। विदेश के कामों से लाभ होने की संभावना है। आय की वृद्धि होने से धन की कमी नहीं रहेगी। किसी बात को लेकर परिजनों से विवाद हो सकता है।

धनु

आकस्मिक धन का खर्च होगा। पार्टनरशिप के काम में आंतरिक मतभेद रहेंगे, फिर भी परिस्थिति अनुकूल रहेगी। आज का आप का दिन सुख-शांति से गुजरेगा। आभूषणों की खरीदारी करेंगे।

मकर

कला और संगीत में भी आज रुचि रहेगी। व्यापार के लिए आज का दिन बहुत अच्छा दिन है। धन के मामलों में सरलता रहेगी। घर में शांति और आनंद बना रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापार में आपको फायदा हो सकता है।

कुंभ

आज का दिन आप के लिए मध्यम फलदायी रहेगा। स्थायी संपत्ति के मामले में आपको बेहद ध्यान रखना होगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। परिवार में तकरार न हो, इसका ध्यान रखें।

मीन

आपके अंदर एनर्जी बनी रहेगी, इससे आप अपना टारगेट पूरा कर पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। आज का दिन व्यापार के लिए अनुकूल है। गृहस्थ जीवन में उलझे हुए प्रश्नों का निराकरण हो सकेगा।

व्यापार समाचार

सेंसेक्स 215 अंक फिसलकर 60,906 पर बंद, निफ्टी भी 62 अंक लुढ़का

मुंबई।

वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी सत्र से जारी तेजी बुधवार को थम गयी और सेंसेक्स 215.26 अंक गिरकर बंद हुआ। सकारात्मक शुरुआत के बावजूद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बढ़त को बनाए रखने में विफल रहा और 215.26 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 60,906.09 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.55 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट लेकर 18,082.85 पर आ गया। सेंसेक्स

के शेयरों में भारती एयरटेल, मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडसइंड बैंक और टाइटन प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। दूसरी तरफ सन फार्मा, आईटीसी, टेक महिंद्रा, डॉ रेड्डीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि जापान का निक्की गिरावट में बंद हुआ। यूरोप में बाजार मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत बढ़कर 94.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। उन्होंने मंगलवार को 2,609.94 करोड़ रुपये के मूल्य के शेयर खरीदे।

सिर्फ 30 दिन में 5जी नेटवर्क पर ग्राहकों का आंकड़ा 10 लाख के पार हुआ : एयरटेल

नई दिल्ली।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने बुधवार को कहा कि 5जी सेवा की वाणिज्यिक शुरुआत के 30 दिन के भीतर इस नेटवर्क पर उसके ग्राहकों की संख्या दस लाख से अधिक हो गई है। उसने बताया कि नेटवर्क निर्माण अब भी जारी है। एयरटेल ने 5जी सेवाओं की दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, सिलीगुड़ी, नागपुर और वाराणसी में चरणबद्ध तरीके से शुरुआत की घोषणा की थी। कंपनी ने बताया कि इन शहरों में 5जी सेवा चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही है क्योंकि नेटवर्क का निर्माण अभी चल ही रहा है। कंपनी ने बयान में कहा, ''भारती एयरटेल आज यह घोषणा करती है कि हमने अपने नेटवर्क पर दस लाख 5जी उपयोगकर्ताओं के आंकड़े को पार कर लिया है। कंपनी ने यह पड़ाव सेवाएं वाणिज्यिक तौर पर शुरू होने के 30 दिन के भीतर और ऐसे समय हासिल किया है जबकि नेटवर्क का निर्माण जारी है।'' भारती एयरटेल के मुख्य तकनीकी अधिकारी रणदीप सैखों ने कहा अभी तो शुरुआत है और उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया काफी उत्साहजनक है। उन्होंने बताया, ''हमारा नेटवर्क निर्माण प्रतिदिन हो रहा है। कुछेक अपवादों को छोड़कर सभी 5जी उपकरण एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क पर काम करने में अब सक्षम हैं, आगामी हफ्तों में ये उपकरण भी इस नेटवर्क पर काम करने लगेंगे।'' सैखों ने कहा, ''पूरे देश को जोड़ने के उद्देश्य के साथ हम नेटवर्क का विस्तार जारी रखेंगे।''

अडाणी समूह कर्नाटक में अगले सात साल में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

बेंगलुरु।

अडाणी समूह कर्नाटक में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी का विस्तार करना चाहता है और इसके लिए अगले सात वर्ष में वह राज्य में करीब एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अडाणी पोर्ट्स एंड सेज लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) करण गौतम अडाणी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अडाणी ने बताया कि समूह कर्नाटक में सीमेंट, ऊर्जा, पाइप गैस, खाद्य तेल, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल जैसे कई क्षेत्रों में सक्रिय है और अबतक यहां 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुका है।

करण गौतम अडाणी ने तीन दिन के 'निवेश कर्नाटक-2022- वैश्विक निवेशक सम्मेलन' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''कर्नाटक में हम जिन क्षेत्रों में निवेश करेंगे और जिन क्षेत्रों में विस्तार करेंगे, उन्हें मिलाकर अगले सात वर्ष के दौरान लगभग एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी होने के नाते अडाणी समूह राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक निवेश करेगा।''

अर्थव्यवस्था को गिरने से रोकने के लिए जल्दबाजी में सख्त कदम उठाने से बचे : दास

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को अपनी नीतियों का बचाव करते कहा कि अगर समय से पहले ब्याज दरों को सख्त करना शुरू कर दिया होता तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि नीचे की ओर मुड़ जाती। दास ने बुधवार को यहां बैंकरों के वार्षिक एफआईबीएसी सम्मेलन में मुद्रास्फीति लक्ष्य से चूकने के लिए आलोचना के बीच यह कहा है। दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया में मजबूत और आशावाद की कहानी के रूप में देखा जा रहा है और मुद्रास्फीति के अब नरम होने की उम्मीद है। यह स्वीकार करते हुए कि बढ़ती मुद्रास्फीति के कारण केंद्रीय बैंक अपने प्राथमिक लक्ष्य से चूक गया है, दास ने कहा कि 'प्रतितथ्यात्मक' पहलू की भी सराहना करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''अगर हमने जल्दी सख्त या आक्रामक रुख अपनाया होता तो यह निर्णय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महंगा पड़ता। यह इस देश के नागरिकों के लिए भी महंगा होता और हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती।'' दास ने कहा, ''हमने ब्याज दरों को आक्रामक रूप नहीं बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से प्रभावित होने से रोका है। आरबीआई अर्थव्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया को बाधित नहीं करना चाहता और इसे सुरक्षित स्थिति की तरफ मोड़ना चाहता है।'' उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के लक्ष्य से चूकने को लेकर सरकार को जवाब देने के लिए ब्याज दर तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बृहस्पतिवार को बैठक कर रही है। आरबीआई गवर्नर ने साथ ही सरकार को लिखे जाने वाले पत्र को सार्वजनिक न करने के आरबीआई के कदम का भी बचाव किया। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार अधिक व्यापक, समय पर और लक्षित राजकोषीय, मौद्रिक और नियामकीय नीतियों पर आधारित है। वहीं, रुपये में गिरावट पर चल रही बहस के बीच दास ने सभी से स्थिति को भावनात्मक रूप से नहीं देखने को कहा और जोर दिया कि घरेलू मुद्रा ने व्यवस्थित तरीके से प्रदर्शन किया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) की शुरुआत देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है और यह व्यापार करने के तरीके को बदल देगी।

रबी सत्र में फॉस्फेटिक, पोटाश उर्वरकों के लिए 51,875 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी छमाही या रबी सत्र में किसानों को फॉस्फेटिक और पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों के लिए 51,875 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। सरकार ने बुधवार को इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 2022-23 रबी सत्र में पीएंडके उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों को मंजूरी दी। सीसीईए ने नाइट्रोजन (एन) के लिए 98.02 रुपये प्रति किलोग्राम, फास्फोरस (पी) के लिए 66.93 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश (के) के लिए 23.65 रुपये प्रति किलोग्राम और सल्फर (एस) के लिए 6.12 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी को मंजूरी दी है।

बयान में कहा गया, ''एनबीएस रबी-2022 (एक अक्टूबर 2022 से 31 मार्च 2023 तक) में मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित सब्सिडी 51,875 करोड़ रुपये होगी, जिसमें माल ढुलाई सब्सिडी के जरिये स्वदेशी उर्वरक (एसएसपी) के लिए समर्थन शामिल है।'' बयान में आगे कहा गया, ''उर्वरक और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव को मोटेतौर पर केंद्र सरकार द्वारा वहन किया गया है।''

बालिका स्कूल मूंडवा में दिया स्पेशल आत्मरक्षा प्रशिक्षण

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा(नागौर डेली न्यूज)। यहाँ राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मूंडवा में जिला पुलिस अधीक्षक नागौर के आदेशानुसार बालिकाओं को विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्राचार्य भंवरलाल कासणियां ने बताया कि इस विशेष प्रशिक्षण से बेटियों में आत्मविश्वास,उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ ही साहस में अभिवृद्धि होगी। पुलिस अधीक्षक ने बतौर प्रशिक्षक कांस्टेबल संगीता तथा कृष्णा को बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मूंडवा में प्रतिनियुक्त किया है। प्रशिक्षण में सहयोग वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक रजनी कस्वां दे रही हैं ।

कीर्तिका राठौड़ ने दो सिल्वर व एक गोल्ड मेडल जीतकर शिक्षानगरी को किया गौरवान्वित

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : कुचामन की बेटी कीर्तिका राठौड़ पुत्री नेहपालसिंह डाबड़ा ने ऑल इंडिया आईपीएससी स्केटिंग प्रतियोगिता इंदौर-2022 में दो सिल्वर एवं एक गोल्ड मेडल जीतकर पूरे कुचामन शहर को गौरवान्वित किया है। जानकारी के अनुसार कीर्तिका राठौड़ एलके सिंघानिया एजुकेशन सेंटर गोटन में 11वीं कक्षा की नियमित छात्रा है। इनके पिता नेहपाल सिंह सरकारी मेडिकल स्टोर कुचामनसिटी में फार्मासिस्ट है एवं माताजी सुमन शेखावत राजकीय चिकित्सालय में नर्सिंग ऑफिसर है। गोल्डन सिल्वर मेडल मिलने पर कोच प्रवीण सर व एजुकेशन सेंटर के सभी अध्यापकों ने कीर्तिका राठौड़ को समानित किया। ममता कंवर सरपंच ग्राम पंचायत डाबड़ा सहित ग्रामवासियों ने कीर्तिका को बधाई दी।

कीर्तिका ने ऑल इंडिया आईपीएससी स्केटिंग प्रतियोगिता इंदौर-2022 में गाड़े झंडे

फेरोसिलिकॉन, फेरोनिकेल ग्रेड के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली।

सरकार ने फेरोसिलिकॉन और फेरोनिकेल के दो ग्रेडों के लिए इस्पात और इस्पात उत्पाद गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू करने की तारीख तीन महीने बढ़ाकर जनवरी, 2023 कर दी है। इस्पात मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार, भारतीय मानकों (आईएस) 1110:1990 फेरोसिलिकॉन विनिर्देश और फेरोनिकल के लिए आईएस 4409:1973 को लागू करने की तिथि आगे बढ़ाया गया है। यह पहले 22 दिसंबर, 2020 थी और बाद में इसे बढ़ाकर 26 अप्रैल, 2022 कर दिया गया था। एक नवंबर को जारी अधिसूचना में कहा गया कि समयसीमा में 23 जनवरी, 2023 तक यानी तीन महीने के लिए विस्तार किया गया है।

पिकअप से टकराई वैन, उड़े परखच्चे

■ हादसे में एक महिला की मौत ■ 7 घायल, दो गंभीर घायल अजमेर रेफर

सुशील दिवाकर

मेड़तासिटी(नागौर डेली न्यूज)। मेड़ता से रेण की तरफ जाने वाले नेशनल हाइवे 58 पर बुधवार एक वैन आगे चल रही पिकअप से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। इस दुर्घटना में एक 60 साल की महिला की मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक सहित 7 अन्य घायल हो गए। इनमें से तीन गंभीर घायलों को अजमेर रेफर किया गया।

बुटाटी धाम जा रहीं थी महिलाएं : जानकारी के अनुसार लाम्बिया गांव से एक वैन में सवार होकर 7 महिलाएं बुटाटी धाम जा रही थीं। वैन में चालक सहित कुल 8 यात्री सवार थे। मेड़ता सिटी से आगे निकलते ही रेण रोड पर प्रिंस होटल के पास मारुति वैन अपने आगे चल रही एक पिकअप से टकरा गई। सड़क पर अचानक गाय आने से वैन अनियंत्रित हो गई और बड़ी तेजी से पिकअप में जा घुसी। वैन के उड़े परखच्चे टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। इस दुर्घटना में वैन में सवार 7 महिलाएं और एक चालक सभी घायल हो गए।

108 एंबुलेंस के हरेंद्र तेतरवाल ने बताया कि सभी को उपचार के लिए मेड़ता सिटी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से दो गंभीर घायल महिलाओं और एक वैन चालक को गंभीर स्थिति में अजमेर रेफर किया गया।

ये हुए हताहत : इस दुर्घटना में एक 60 साल की वृद्धा ने दम तोड़ दिया। मामले की सूचना मिलने पर मेड़ता एसडीएम पूरन कुमार सेन, डीएसपी नरेंद्र मीणा, सीआई रोशनलाल, सामरिया भी मौके पर पहुंचे और अस्पताल में घायलों का इलाज करवा कर गंभीर घायलों को अजमेर रेफर करवाया। सड़क दुर्घटना में यह हुए घायल सावित्री (40) पत्नी सुरेश, कमला (49) पत्नी अमराराम, अफसरा (45) पत्नी सांवरदान, कमला (60) पत्नी रेवतराम, मीरा (45) पत्नी कान सिंह, शांति (80) पत्नी हड़मानराम, मौसीन (21) पुत्र अजहरूदीन घायल हो गए। जबकि छोटी देवी (60) पत्नी राम सिंह की मौत हो गई।

मेड़ता के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मीरा, शांति और मौसीन को गंभीर स्थिति में अजमेर रेफर किया गया है। वैन में सवार सभी लाम्बिया के हैं और सभी दर्शन करने के लिए बुटाटी धाम जा रहे थे।

मूण्डवा एसडीएम विनित कुमार सुखाड़िया ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा (नागौर डेली न्यूज)। मुण्डवा उपखण्ड अधिकारी विनित कुमार सुखाड़िया ने बुधवार दोपहर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुण्डवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीसीएमओ डॉ राजेश बुगासरा, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. राकेश सिरोही, डॉ. मोहित सांदू, डॉ. रविन्द्र गहलोत उपस्थित रहे। एसडीएम सुखाडिया द्वारा सीएचसी के ओपीडी, आईपीडी, लैबर रूम वार्ड, दवा वितरण केंद्र, मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना, टीकाकरण रूम आदि का जायजा लिया। एसडीएम ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही नागौर टी.बी. अस्पताल से आये सूनील हर्ष से टी.बी. प्रोग्राम के बार मे जानकारी ली। उन्होने मुख्यमंत्री चिंरजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना व मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने पर जोर दिया व राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी मिटींग मे बायोकेमिस्ट्री मशीन का प्रस्ताव लेने की सलाह भी दी ताकि मुण्डवा की जनता को अधिक से अधिक मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना का लाभ मिल सके।

शारीरिक शिक्षक इब्राहिम खान हुए सेवानिवृत्त

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जालसू कला से सेवा निवृत होने वाले शारीरिक शिक्षक इब्राहिम खां को बुधवार को समारोह पूर्वक विदाई दी। पूर्व विधायक में किसान नेता रिछपाल मिर्धा ने भी कायमखानी नगर पहुंचकर खान का अभिनदंन किया ओर उनकी सेवाओं की सराहना की। राजकीय विद्यालय जालसू कला में शानदार स्वागत किया गया। इसके बाद में डेगाना में गाजे-बाजे के साथ चारों ओर स्वागत किया गया। कायमखानी नगर में पहुंचकर लोगों ने शारीरिक शिक्षक इब्राहिम खान का जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में पूर्व विधायक नेता रिछपाल सिंह मिर्धा, डेगाना नगर पालिका चेयरमैन मदनलाल अटवाल, उपाध्यक्ष हारून रशीद खान, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरधारी मुंडेल, जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस प्रकाश कुकणा, पार्षद रफीक खान, शिक्षक संघ शेखावत संरक्षक सुरेश कुमार डूडी, शिक्षक संघ अध्यक्ष लालाराम कुलरिया, जिला शिक्षक संघ उपाध्यक्ष धन्नाराम टाडा, आसाराम डुडी, रतनलाल बुगालिया, गेन मोहम्मद, शिव प्रताप सिंह ईडवा, थानेदार अयूब खान मेड़ता, रमजान खान मेड़ता, हाजी मजीद खान खोखर,देबू राम, भामाशाह हफीज खान, नागौर जिला अध्यक्ष शारीरिक शिक्षक संघ नागौर खेमाराम बेनीवाल, अयूब खान निमोद, दाऊद अली खान, आमिन खान, मकबूल खान, नेक मोहम्मद खान सहित कायमखानी नगर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि ओर शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने खान का स्वागत किया।

विकास कार्यों में रोडे अटकानें का काम कर रहा विपक्ष : अटवाल

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। डेगाना नगरपालिका द्वारा शहर में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिसमें पालिका के सभी 25 वार्डों की मुख्य सडकों के अलावा लगभग सभी प्रमुख गलियों मे सीसी सडकें के साथ नालियों का निर्माण कराया गया ओर शेष बचे मोहल्लों में भी पालिका के द्वारा निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। पालिका के चेयरमेन मदनलाल अटवाल ने बताया कि शहर में विकास के कार्य तेजी के साथ चलाये जा रहे है, लेकिन विपक्ष को ये बात खटक रही है तथा अपनी पिछले बोर्ड की नाकामियों को छिपाने के लिए झूठे आरोपों का सहारा ले रहे है ओर लगातार विकास के कामों में रोडे अटकाने के काम कर रहा है। जबकि अभी पालिका द्वारा किसी सड़क नालियों के निर्माण का कार्य का भूगतान भी नहीं हुआ तो भ्रष्टाचार किस बात का। चैयरमेन कहा की निर्माण कार्यो के भूगतान से पूर्व बाकायदा जांच की जायेगी, जिसके लिए चेयरमेन, अधिशाषी अधिकारी, जेईएन आदि की जांच टीम का गठन किया है। जांच की रिर्पोट आने के बाद ही भूगतान होगा। विपक्ष द्वारा पालिका पर लगाया जाने वाले भ्रष्टाचार का आरोप निराधार ओर बेबुनियाद ओर राजनीति से ग्रस्ति है।

घटिया निर्माण पाया जाता है तो होगी कार्रवाही : चेयरमेन अटवाल ने कहा कि जांच में घटिया निर्माण पाया जाता है तो संबधित के खिलाफ कार्रवाही होगी। ज्ञात रहे पिछले दिनों पूर्व मंत्री अजयसिंह किलक ने जिला कलेक्टर के नाम से एसडीएम को ज्ञापन देकर पालिका के द्वारा कराये निर्माण कार्यो मे भारी भ्रष्टाचार ओर घोटालों का आरोप लगाते हुये उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की थी। इसके जबाब में चेयरमेन अटवाल ने भाजपा को घेरा ओर कहा कि पिछले पांच सालों में भाजपा का बोर्ड होने के बावजूद भी एक भी विकास का कार्य नहीं किया ओर मूंग, चना खरीद मे भारी भ्रष्टाचार कर जनता के पैसों को लूटा तथा आंगनबाड़ी के बच्चों को मिलने वाले पौषाहार में भी उनकी सह पर भारी घोटाला किया गया।

अब शहर का विकास उन्हें फूटी आंख भी नहीं सुहाता है तथा झूठी शिकायतें देकर रोडा लगाने का काम किया जा रहा है, जिसे जनता समझ रही है।

सरकार ने एथनॉल की कीमत बढ़ाई

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने बुधवार को पेट्रोल में मिलाने के लिए इस्तेमाल होने वाले एथनॉल की कीमत बढ़ा दी। गौरतलब है कि सरकार पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने दिसंबर, 2022 से शुरू होने वाले आपूर्ति वर्ष के लिए एथनॉल की कीमत को बढ़ाकर 65.60 रुपये प्रति लीटर करने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री ने अलवर में 69 करोड़ रूपए के 71 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

जनकल्याणकारी योजनाओं में प्रदेश 'मॉडल स्टेट' : सीएम गहलोत

जयपुर।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश में अर्थव्यवस्था की विपरीत स्थिति के बावजूद राजस्थान में कुशल वित्तीय प्रबंधन से हर क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, सड़क, कर्मचारी वर्ग, रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में राजस्थान मॉडल स्टेट बना है। प्रदेश में लगभग 1 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन दी जा रही है। बजट घोषणाएं धरातल पर उतारकर हर वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा है। गहलोत बुधवार को अलवर जिले के खैरथल में लगभग 69 करोड़ रूपए के 71 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में वित्त की कमी नहीं आने दी जाएगी। गहलोत ने कहा कि हमारी कोशिश है कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय और हैप्पीनेस इंडेक्स बढ़े। उन्होंने प्रदेशवासियों से आपसी समन्वय, प्रेम और सद्भाव से रहने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हिंसा बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिए जाने के लिए केंद्र सरकार से लगातार मांग की जा रही है। यह 13 जिलों में सिंचाई व पेयजल आपूर्ति सुनिश्चिता के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करेगी तो भी राज्य सरकार अपने संसाधनों से इसे आगे बढ़ाएगी।

शिक्षा, रोजगार और कर्मचारी हितों में अहम निर्णय

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने 'महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय', 'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना', 'राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस' सहित कई योजनाएं शुरू कर विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबल प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि अभी तक 1.30 लाख सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। लगभग 1 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं। एक लाख नौकरियों की घोषणा बजट 2022-23 में की गई है। ऐसे में राजस्थान देश में सरकारी नौकरियां देने में भी अग्रणी राज्य बना है। उन्होंने बताया कि मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू कर राज्य कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित किया गया है।

घरों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से डर-डर के जीने के मजबूर कॉलोनीवासी

प्रेम नगर आवासीय कॉलोनी के लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

सुशील दिवाकर

मेड़तासिटी(नागौर डेली न्यूज) : शहर के प्रेम नगर आवासीय कॉलोनी में शिव मंदिर में बने टीनसेड और आवासीय घरों के ऊपर गुजरे हाईटेंशन लाइट को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग को लेकर कॉलोनी वासियों ने वार्ड पार्षद महेंद्र भाकर व स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर सुनील चौधरी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि आवासीय कालोनी में घरों की छत के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरी है जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है उन्होंने बताया कि इस से हाईटेंशन लाइन को विद्युत विभाग के द्वारा अन्यत्र जगह शिफ्ट किया जाना चाहिए इसके साथ ही कॉलोनी में खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग भी यहां पर कॉलोनी वासियों ने की है। प्रेम नगर विकास समिति अध्यक्ष गोविंद सिंह, स्वच्छ भारत ब्रांड अंबेसडर सुनील चौधरी, कामधेनु सेना नगर प्रवक्ता महिपाल डिडेल, अमृत गोलिया मौजूद रहे।

ट्विटर पर 'ब्लू टिक' के लिए हर माह देने होंगे आठ डॉलर, कई उपयोगकर्ता नाराज

न्यूयॉर्क।

ट्विटर पर सत्यापन के बाद जारी किए जाने वाले बैज 'ब्लू टिक' के लिए उपयोगकर्ताओं को हर महीने आठ डॉलर देने होंगे। हाल में सोशल मीडिया मंच को खरीदने वाले उद्योगपति एलन मस्क ने यह घोषणा की है। हालांकि, इस निर्णय की कई उपयोगकर्ताओं ने आलोचना की है और नाराजगी जताई है।

विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने लंबे विवाद के बाद 27 अक्टूबर को 44 अरब डॉलर में ट्विटर का अधिग्रहण पूरा किया था। उन्होंने कमान संभालते ही कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पराग अग्रवाल और कानूनी मामलों और नीति प्रमुख विजया गड्डे समेत चार शीर्ष अधिकारियों को भी निकाल दिया था। मस्क ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''लोगों को शक्ति! प्रति माह आठ डॉलर के लिए 'ब्लू टिक'।'' उन्होंने यह घोषणा करते कहा कि इससे उपयोगकर्ताओं को जवाब देने और खोज करने में प्राथमिकता मिलेगी, जो फर्जी खातों की पहचान करने में आवश्यक है। मस्क ने कहा कि ब्लू टिक के जरिए उपयोगकर्ताओं से जुटाए जाने वाला मासिक भुगतान कंपनी को मंच पर सामग्री बनाने वाले (क्रिएटर्स) को प्रेरित करने के लिए राजस्व का एक स्त्रोत भी प्रदान करेगी। ट्विटर जानीमानी हस्तियों के खातों को सत्यापित करने के लिए ब्लू टिक निशान का इस्तेमाल करता है, ताकि आम लोगों को खातों की वैधता के बारे में पता चल सके।

कुमावत समाज का 11वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 4 नवम्बर को, 16 युगल बंधेंगे परिणय सूत्र में

सामुहिक विवाह सम्मेलन की प्रेस वार्ता के माध्यम से कुमावत समाज ने दिया सामाजिक व राजनैतिक एकता का संदेश

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। कुमावत समाज के 4 नवम्बर शुक्रवार को आयोज्य सामुहिक विवाह सम्मेलन की प्रेस वार्ता के बहाने बुधवार को समाज के जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक एवं राजनैतिक एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कुमावत समाज सहित नावां विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में अपनी गहरी पैठ रखने वाले पूर्व विधायक हरीशचन्द्र कुमावत, कुमावत विकास समिति के अध्यक्ष एवं जिला पार्षद बाबुलाल कुमावत पलाड़ा एवं खारिया सरपंच देवीलाल दादरवाल सहित समाज के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी एक मंच पर नजर आए तथा एक साथ मीडियाकर्मियों से रुबरु हुए। मीडियाकर्मियों से मुखातिब होते हुए पूर्व विधायक हरीशचन्द्र कुमावत ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी देवऊठनी एकादशी पर 4 नवम्बर को 11वां सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें 16 युगल परिणय सूत्र में बधेंगे।

अतिथियों व भामाशाहों का भी होगा सम्मान

कुमावत विकास समिति के अध्यक्ष बाबुलाल कुमावत पलाड़ा ने प्रेस वार्ता में सामुहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 23 अक्टूबर को विनायक पूजन किया जा चुका है। 4 नवम्बर को प्रात: 8.15 बजे बारात प्रस्थान, प्रात: 10 बजे तोरण, प्रात: 10.15 बजे वरमाला, प्रात: 11.15 बजे प्रीतिभोज एवं पाणिग्रहण संस्कार कार्यक्रम होंगे। मध्याह्न 12.15 बजे से 3 बजे तक अतिथियों एवं भामाशाहों का सम्मान होगा वहीं सांय 4.15 बजे विवाह प्रमाण पत्र वितरण एवं सांय 5.15 बजे बारात विदाई कार्यक्रम होंगे। अध्यक्ष कुमावत ने सभी समाजबंधुओं से अधिकाधिक संख्या में विवाह सम्मेलन में पहुंचकर इसकी शोभा बढ़ाने का आह्वान किया है, साथ ही तन, मन एवं धन से सहयोग करने का भी आग्रह किया है।

सभी समाजों से सामुहिक विवाह सम्मेलन करने का आह्वान

प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए खारिया सरपंच देवीलाल दादरवाल ने कहा कि कुमावत विकास समिति द्वारा प्रतिवर्ष देवऊठनी एकादशी पर सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाता है, लेकिन गत दो वर्षों में कोरोना के कारण सम्मेलन नहीं हो पाया था। इस बार कुमावत विकास समिति द्वारा पुन: कईं समाजों में ऐसे आयोजन होते है परन्तु सर्व समाज भी ऐसे कार्यक्रम करें ताकि आर्थिक स्तर ऊंचा उठ सके। ऐसे आयोजन से समाजबंधुओं को एक साथ कईं विवाह सम्मेलन में शरीक होने का मौका मिलता है।

11 लाख 11 हजार रूपयों का किया आर्थिक सहयोग

इसी प्रकार कुमावत समाज के निर्माणाधीन भवन के डायनिंग हॉल के लिए टीकूराम राजोरिया निवासी हरितपुरा खारिया (राजोरिया फीलिंग स्टेशन चौथ का बरवाड़ा) के पुत्र केशाराम, बाबूलाल व अशोक 11 लाख 11 हजार रूपयों की सहयोग राशि समिति के पदाधिकारियों को सुपर्द की। उन्होंने कुमावत सामूहिक विवाह सम्मेलन-2022 में भी 51 हजार रूपयों की राशि का सहयोग किया। इस पर कुमावत विकास समिति के पदाधिकारियों ने राजोरिया परिवार का आभार प्रकट किया।

ये रहे मौजूद-

प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व विधायक हरीश कुमावत, कुमावत विकास समिति के अध्यक्ष व पंचायत समिति सदस्य बाबुलाल कुमावत पलाड़ा, खारिया सरपंच देवीलाल दादरवाल, पूर्व अध्यक्ष रघुनाथ पीपलोदा, शिम्भुदयाल कुमावत, बाबुलाल कुमावत खारिया, मोहनलाल कुमावत, किशोर नोखवाल, पूसाराम राजोरिया, किशनलाल छापरवाल, संतोष सिहोटा, ओमप्रकाश जायलवाल, राजूराम पायलट, खेताराम नोखवाल, दुर्गेश कुमावत, गोविन्द सिहोटा, विकास राजोरिया, ईश्वर पीपलोदा, राजूराम जेठीवाल, महेश पीपलोदा, गोपाल राहोरिया, सत्यनारायण जायलवाल, नवरतन दीपपुरा, संतोष सिहोटा, पार्षद बाबुलाल मारवाड़ा, जगदीश किरोड़ीवाल, रामचन्द्र बालोदिया, लालचंद हल्दवानिया, एडवोकेट श्यामलाल कुमावत, किशन राजोरिया, गोविन्द सिहोटा, राजूराम घोड़ेला सहित कईं समाज बंधु मौजूद थे।

इनका कहना है-

'सामुहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से धन का अपव्यय रुकता है। नि:संदेह सामुहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से सामाजिक एवं राजनैतिक एकता का संदेश जाएगा। हम सब एकता के सूत्र में बंधे हुए है, एक होकर कार्य करेंगे। कोरोनाकाल के बाद सामुहिक विवाह सम्मेलन आज के समय की जरूरत बन गया है। पूर्व में कुमावत समाज के 10 सामुहिक विवाह सम्मेलन हो चुके है, लेकिन सामुहिक विवाह सम्मेलन वर्तमान दौर की जरूरत है।'

हरीशचन्द्र कुमावत
पूर्व विधायक

'कुमावत समाज के सहयोग से इस बार 16 जोड़ों का सामुहिक विवाह सम्मेलन हो रहा है, जिसके लिए कन्यादान एवं चंदा समिति, फर्नीचर क्रय-विक्रय समिति, अंकेक्षण समिति, स्टेज सजावट व स्वागत समिति, चाय-नाश्ता समिति, कुमकुम पत्रिका सम्पादन समिति, टेंट एवं साउण्ट व्यवस्था समिति, आभूषण समिति, वर-वधु वस्त्र समिति, जल व्यवस्था समिति, फेरा समिति, भोजन व्यवस्था समिति, बिन्दोरी व्यवस्था समिति, डायजा व्यवस्था एवं निगरानी समिति, मंच संचालन समिति, वर-वधु-समिति, चंदा समिति, दायजा क्रय समिति, खाद्य सामग्री क्रय समिति का गठन किया गया है।'

बाबूलाल पलाड़ा
अध्यक्ष, कुमावत विकास समिति

'सामुहिक विवाह सम्मेलन किया जाना खुशी एवं गौरव की बात है। ऐसे आयोजन से दहेज प्रथा पर भी रोक लगती है, साथ ही धन का दुरुपयोग भी रुकता है। अलग-अलग विवाह करने से काफी धन खर्च हो जाता है वहीं एक जाजम पर बैठकर कार्य करने से अत्यन्त आनन्द की अनुभूति होती है। 4 नवम्बर को आयोज्य कार्यक्रम के प्रति कुमावत समाज के लोग अत्यन्त उत्साहित है।'

देवीलाल दादरवाल, सरपंच खारिया

'ये 11वां कुमावत विवाह सम्मेलन है। इस बार 16 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। हर जोड़े को सरकारी अनुदान दिलवाएंगे। समाज का अच्छा सहयोग मिलता है। इस बार करीब 10 हजार से अधिक समाजबंधुओं के आने की उम्मीद है।'

रघुनाथ पिपलोदा
पूर्व अध्यक्ष, कुमावत विकास समिति

कुचामन-पदमपुरा-मीठड़ी मार्ग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त, दो बार पेचवर्क के बाद भी नहीं सुधरे हालात

ग्रामीणों ने लगाया घटिया निर्माण सामग्री उपयोग करने का आरोप

श्यामसुन्दर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मीठड़ी कस्बे के समीपस्थ ग्राम पदमपुरा से कुचामन जाने वाला मुख्य सड़क मार्ग पिछले कई माह से जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो रखा है। कई जगहों पर तो गहरे गड्ढे बने, तो कई जगह सड़क पर कंक्रीट फैली हुई है। तो कई जगह तो सड़क पूरी तरह गायब हो चुकी है, जिससे वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही थी। ग्रामीणों की शिकायत पर सड़क का दो बार निर्माण किया गया पर पांच दिन में ही सड़क पर डामर उखड़ने लगी। साथ ही कंक्रीट सड़क पर फैल गई। वहीं कई जगह सड़क वापस क्षतिग्रस्त भी हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि गत दिनों आई बारिश से पूर्व यह सड़क बनाई गई। नयी बनी सड़क पहली बारिश भी नहीं झेल पाई, फिर इसका बारिश के बाद पेचवर्क किया गया। कुछ ही दिनो बाद सड़क जगह-जगह से फिर उखड़ गयी है। ग्रामीणो ने आरोप लगाया कि अधिकारियों व सड़क ठेकेदार की मिलीभगत से सड़क निर्माण में जमकर घटिया निर्माण साम्रगी का प्रयोग किया गया है , जिससे एक बारिश में सड़क बिखर गयी। अधिकांश वाहन चालक पदमपुरा देकर कुचामन जाते है क्योंकि इस सड़क मार्ग से लगभग सात किलोमीटर की बचत होती है। यानी कि ग्यारह किलोमीटर चलना पड़ता है। जबकि मुख्य सड़क मार्ग जो नारायणपुरा देकर गुजरता है। इस मार्ग से अठारह किलोमीटर चलना पड़ता है। इसलिए वाहन चालक इस शार्टकट रास्ते से आवागमन करते है। प्रतिदिन दुपहियां वाहन आवागमन करने वाले गणेश ठठेरा, चंद्रशेखर शर्मा, पवन गौड़, ओमप्रकाश कुमावत ने बताया कि सड़क मार्ग का निर्माण कर रहे कार्मिको से बात कि आगे सड़क का निर्माण कर रहे है। जबकि पीछे हाल ही निर्माण की गयी सड़क वापस टूटने लगी है तो कार्मिक ने फिल्मी स्टाईल में कहा कि ये सड़के तो ऐसे टूटेगी, जिससे शिकायत करना कराना हो कर लो।

-इनका कहना है

'सड़क निर्माण में ठेकेदार ने घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया गया, जिससे मुख्य सड़क बार-बार टूट रही है। यह सड़क मार्ग कई गांवो को जोड़ती है। शीघ्र सुधार किया जाए।'

ओम सिंह लिचाणा
पूर्व सरपंच व पंचायत समिति सदस्य

'इसकी शिकायत परबतसर सार्वजनिक निर्माण विभाग को कर दी है। शीघ्र ही निर्माण किया जायेगा।'

मोहनराम किरडोलिया
सरपंच प्रतिनिधी, पदमपुरा सिरगोठ

'शिकायत मिली है। मुख्य सड़क मार्ग को शीघ्र ही दुरस्त किया जायेगा ताकि वाहन चालकों को राहत मिल सके।'

कैलाश दंगल
एक्सईएन, पीडब्लूडी

सूबेदार महेंद्रसिंह के सेवानिवृती पर किया स्वागत

धनेश कुमार

मौलासर(नागौर डेली न्यूज)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम बेड़वा निवासी सूबेदार महेंद्रसिंह के भारतीय थल सेना से सेवानिवृती होने पर उनका जगह जगह स्वागत व सम्मान किया गया। समाजसेवी प्रदीप सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया बेड़वा निवासी सूबेदार महेंद्र सिंह जो कि नासिक रोड कैम्प में डयूटी पर तैनात थे,जिनका 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हिने पर मौलासर सहित आस पास के गाँवो के लोगो ने जोरदार स्वागत व सम्मान किया,वही बबचपन ऐंड सेवन स्टार कॉन्वेंट स्कूल मौलसर में सूबेदार महेंद्र सिंह का स्वागत किया गया।

सुबेदार महेंद्र सिंह ने बच्चो को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे देश सेवा का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ उसके लिए में परम पिता परमेश्वर को बारंबार प्रणाम करता हूं। और आपसे अनुरोध करता की आप भी जीवन में आगे बढ़ने के लिए कठिन परिश्रम करे,और अपना जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करे।

ये रहे मौजूद-इस मौके पर कैप्टन चांदसिंह, सूबेदार रणविजय सिंह, प्रदीप सिंह राठौड़, कैप्टन माल सिंह, पूर्व सरपंच बेडवा दीप सिंह, सूबेदार मेजर मंगनाराम, गोपाल अग्रवाल, प्रवीण सिंह, रसलदार, सज्जन सिंह, घनश्याम शास्त्री सहित विद्यालय स्टॉफगण व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

टोरड़ा में आयोजित शिविर में 81 युवाओं ने उत्साह से किया रक्तदान

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : नेत्रदानी ओमप्रकाश कुमावत की सुपुत्री चंचल कुमावत के जन्मदिन पर लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट एवं श्याम ब्लड बैंक के तत्वावधान में बुधवार को ग्रामवासियों के सहयोग से गांव टोरड़ा में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। संयोजक लॉयन राम काबरा ने बताया कि कुमावत परिवार के सौजन्य से आयोजित चतुर्थ रक्तदान शिविर में जयपुर की संतोकबा दुलर्भजी ब्लॅड बैंक एवं श्याम ब्लॅड बैंक कुचामन की टीम ने 81 यूनिट रक्त संग्रहित किया, वहीं भागीरथ कुमावत ने 21वीं बार रक्तदान किया। क्लब अध्यक्ष लॉयन द्वारका प्रसाद कुमावत ने बताया कि पूर्व विधायक हरीशचंद्र कुमावत, विजयसिंह चौधरी, रूपपुरा सरपंच सुरज्ञान कंवर, पूर्व सरपंच मनोहरसिंह रूपपुरा, खारिया सरपंच देवीलाल दादरवाल, जिला परिषद सदस्य बाबूलाल कुमावत, नावां पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि राजेश गुर्जर, नगर परिषद उप सभापति हेमराज चावला, पंचायत समिति सदस्य जोगेन्द्रसिंह रूपपुरा, पार्षद बाबूलाल कुमावत, श्याम ब्लॅड बैंक के श्रीपाल सिंह रसाल, लॉयन हेमराज पारीक, करणी सेना के देवीसिंह चौहान, रिड़मल शर्मा, सुशीला चौहान ने शिविर का अवलोकन कर कुमावत परिवार द्वारा किए जा रहे नेक कार्य की सराहना की।

सौजन्यकर्ता लाखाराम कुमावत ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। इस महादान से किसी का जीवन बचता है तथा इस प्रकार के पुनीत कार्य आयोजित करने से दिल को सुकून मिलता है। अरुण नोखवाल ने बताया व्यवस्था में नोखवाल परिवार एवं टोरड़ा के सभी गांववासियों का सहयोग रहा।

पुलिसकर्मी का किया नागरिक अभिनंदन

जुगल दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : बुधवार को कस्बे में मात्र 53 वर्ष की उम्र में वीआरएस लेने वाले पुलिसकर्मी का नागरिक अभिनंदन किया गया। सारण जिले के जायल थाने में पदस्थापित थे। जुलूस के रूप में अगवानी कर ग्रामीणों ने पुलिसकर्मी धन्नाराम सारण का जगह-जगह उनका स्वागत किया। इस अवसर पर समाजसेवी भीयांराम पेड़ीवाल, भंवरलाल सारण, श्रवण कुमार ढाका, हेमाराम कलकल, सरपंच प्रतिनिधि सुल्तान मोहम्मद, एनएसयूआई नेता मजीद खान, डॉ दिलदार खान, अजीत सारण, पटवारी सुनीता सारण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चरित्रवान व्यक्ति ही सही मायने में सफलता प्राप्त करता है : शेखावत

अबू बकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : निंबी जोधा स्थित टैगोर शिक्षण संस्थान में छात्र-छात्राओं को अग्रिम भविष्य के लिए सही मार्गदर्शन करने की श्रृंखला में विशेष बाल सभा का आयोजन हुआ, जिसमें टैगोर शिक्षण संस्थान ग्रुप के संरक्षक डॉ. वीरपाल सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। शेखावत ने विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य को पहचानने व उसकी उपलब्धि में अपने मन को एकाग्रचित करने पर बल दिया। उन्होंने रामायण में राम की रावण पर विजय का मुख्य कारण राम का चरित्रवान होना बताया। उन्होंने बताया कि जो सहनशील होता है और निश्चित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ता है वही विद्यार्थी सफल होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि डॉक्टर या इंजीनियर बनने के बाद भी एक अच्छा इंसान बनना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक गुलाब सिंह शेखावत के साथ संस्थान के सभी प्रधानाचार्य व स्टॉफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

लापरवाह कार चालक ने बाजार में मचाया तहलका

कई सब्जी ठेलों ओर वाहनों के मारी टक्कर

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। शहर के बाजार में बुधवार को एक कार चालक ने तहलका मचा दिया। रेलव स्टेशन के सामने मुख्य सडक पर तेज गति से कार चलाकर कई सब्जी से भरे हाथ ठेले को टक्कर मार कर ठेलों मे भरी सब्जी को सडक पर बिखर दिया। इसके अलावा कई वाहनों को भी टक्कर लगा दी। इसके बाद भी कार चालक नही रूका ओर कई राहगीरों ने भी भगकर अपने आप को बचाया नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

इतना होने के बाद भी कार चालक नहीं रूका तो लोगो ने उसे किसी प्रकार से घेर कर रोका ओर सडक से गुजर रहे लोगो ने कार चालक की धुनाई शुरू कर दी । उसी समय बाजार मे खडे यातायात पुलिस के सिपाही ने भीड़ से बचाकर इसे ट्रैफिक केबिन मे घुसा दिया, जिससे वह आम जन के गुस्से से तो बच गया। इसी बीच पुलिस को सूचना मिलने मौके पर आये ओर कार चालक को थाने ले गये।

गरीब सब्जी बेचने वालों को भारी नुकसान उठाना पडा। इसी प्रकार से दो मोटर साईकिले भी कार की टक्कर से क्षतिग्रस्त हुई, जिससे काफी नुकसान हुआ। कार का भी अगला हिस्सा टूट गया। पुलिस ने बताया की कार चालक अलतवा निवासी मूलाराम पुत्र रविन्द्र सिंह है, जिसने अपने आप को आर्मी का सैनिक बताया। इसने पुलिस को जानकारी दी की वह ट्रेन पकड़ने की जल्दी में था।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com